भारत सरकार

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3501

जिसका उत्तर 22 मार्च, 2023 को दिया जाना है।

1 चैत्र, 1944 (शक)

आधार आधारित फिंगरप्रिंट प्रमाणीकरण के लिए नया सुरक्षा तंत्र

3501. श्री सुधीर गुप्ता :
श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे :
श्री श्रीरंग आप्पा बारणे :
श्री विद्युत बरन महतो :
श्री प्रतापराव माधव :

क्या इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने आधार आधारित फिंगरप्रिंट प्रमाणीकरण और स्पूफिंग के प्रयासों का तेजी से पता लगाने के लिए एक नया सुरक्षा तंत्र स्थापित किया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त तंत्र की प्रमुख विशेषताएं क्या हैं;

(ग) क्या आधार आधारित फिंगरप्रिंट प्रमाणीकरण के लिए नए सुरक्षा तंत्र को पूरी तरह कार्यात्मक बना दिया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) इस नई प्रौद्योगिकी को किन-किन क्षेत्रों/प्रक्षेत्रों में लागू किए जाने की संभावना है और यह देश में आम लोगों के लिए किस प्रकार लाभकारी होगी; और

(ड.) क्या इस नई प्रौद्योगिकी से देश में वित्तीय धोखाधड़ी को रोकने में मदद मिलेगी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उत्तर

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री राजीव चंद्रशेखर)

(क) और (ख) : जी, हां। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण भारत के निवासियों को डिजिटल पहचान (आधार) और डिजिटल प्रमाणीकरण सेवाएं प्रदान करता है। प्राधिकरण ने 28.2.2023 से फिंगरप्रिंट आधारित आधार प्रमाणीकरण के लिए नई फिंगर मिनुशीअ रिकॉर्ड - फिंगर इमेज रिकॉर्ड (एफएमआर-एफआईआर) पद्धति शुरू की है। यह एक कृत्रिम बुद्धिमत्ता/मशीन लर्निंग (एआई/एमएल) आधारित पद्धति है, जिससे फिंगरप्रिंट की सजीवता की जांच की जा सकती है और वास्तविक उंगली और नकली/चिपचिपी उंगली के बीच अंतर किया जा सकता है। यह किसी भी प्रमाणीकरण की अनुमति नहीं देता है जिसे नकली/चिपचिपी उंगली के उपयोग द्वारा प्रयास किया जाता है।

(ग): फिंगरप्रिंट आधारित आधार प्रमाणीकरण के लिए नया एफएमआर-एफआईआर साधन अब 28.2.2023 से पूरी तरह कार्यात्मक हो गया है, सिवाय कुछ संस्थाओं के जिन्होंने अपने संबंधित आवेदनों की तैयारी के लिए कुछ और समय मांगा है ।

(घ) और (ङ) : नई तकनीक सेक्टर एग्नॉस्टिक है और जहां भी फिंगरप्रिंट बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण किया जाता है, वहां इसका उपयोग किया जाएगा। चूंकि नई एफएमआर-एफआईआर पद्धति प्रमाणीकरण के समय उंगली की सजीवता का पता लगाती है, नकली/चिपचिपी उंगली के उपयोग द्वारा किए गए किसी भी प्रमाणीकरण के प्रयास का पता लगाया जाएगा और रोका जाएगा, जिससे निवासियों को वित्तीय धोखाधड़ी सहित धोखाधड़ी से बचाया जा सकेगा।

****